

25/11 पत्रावली पेय हुयी। कोरे भी उप
नही है। वादी वकील को बार-बार आवाज
लगाई गई किन्तु कोरे भी उप नहीं आया।
वादी के वावजूद सचना अरु सैन से पत्रावली
अदम हजारों पैरवी में खाजि की जाती है।
पत्रावली जैसा गुनाह होकर नश्वर से कम
है। वाद पूरा कार्रवाई करार है।

उपसण्ड अधिकारी
बहरोड़ (फोटोग्राफी बहरोड़)